इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में गठबंधन का दौर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की आटो कंपनियां पेट्रोल-डीजल चालित वाहनों के उत्पादन में सेमीकंडक्टर की कमी से परेशान हैं, लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में जबरदस्त गतिविधियां जारी हैं। मौजूदा कंपनियों की तरफ से ईवी सेक्टर में नए निवेश की घोषणाएं हो रही हैं और देसी-विदेशी कंपनियों के बीच ईवी डिजाइन से लेकर चार्जिंग स्टेशन तक के क्षेत्र में नए गठबंधन होने लगी हैं। एक दिन पहले लक्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने घरेलू वाहन निर्माता टीवीएस मोटर के साथ ईवी सेक्टर में लंबी अवधि के समझौतों का एलान किया है। इसके पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रिलायंस जियो और वीपी के संयुक्त उद्यम ने एक अन्य घरेलू आटो समूह महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ चार्जिंग स्टेशन से लेकर दूसरी संभावनायों को खोजने का समझौता किया है।

दक्षिण कोरियाई कंपनी किआ ने कारेंस लांच की

जाब्यू, नई दिल्ली: भारतीय कार बाजार में अपनी अलग मुकाम बना चुकी दक्षिण कोरियाई कंपनी किआ मोटर्स ने गुरुवार को कारेंस नाम से एक नया माडल लांच किया है। यह भारत में निर्मित कंपनी का वैश्विक उत्पाद होगा। यानी इसे भारत में बनाकर निर्यात किया जाएगा। यह एक विशाल तीन-रो वाली एसयूवी है जिसमें छह सुरक्षा एयरबैग्स लगे हुए हैं। कंपनी का दावा है कि यह भारत के सबसे सुरक्षित वाहनों में से होगी। कारेंस बिक्री के लिए बाजार में जनवरी-मार्च की तिमाही में पेश की जाएगी। तभी इसका दाम बताया जाएगा।

दिग्गज आटोमोबाइल कंपनियों की तरफ से भी लगातार नई घोषणाएं हो रही हैं। ह्युंडई ने 4,000 करोड़ का नया निवेश ईवी क्षेत्र में करने और वर्ष 2028 तक छह नई कारें लांच करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के प्रेसिडेंट शैलेश चंद्रा ने दैनिक जागरण को बताया कि उनकी कंपनी पांच वर्षों में 10 नई ईवी लाएगी। इन पांच वर्षों में कंपनी कुल दो अरब डालर यानी करीब 15,000 करोड़ रुपये का नया निवेश करने जा रही है। किआ मोटर्स के एमडी व सीईओ ताए-जिन पार्क ने दैनिक जागरण को बताया कि उनकी कंपनी भारत में इलेक्ट्रिक वाजार की संभावनाओं का बहुत ही करीवी अध्ययन कर रही है और अगले वर्ष हम यहां की अपनी कारोबारी नीति के बारे में घोषणा करेंगे। बीएमडब्ल्यू की भारतीय ईवी बाजार में दिखाई गई रुचि के खास मायने लगाए जा रहे हैं। पहली बार कंपनी ने कहा है कि भारतीय ग्राहकों के लिए दोपहिया ईवी पर काम करने जा रही है। टीवीएस के साथ कंपनी की एक पुरानी साझेदारी है। दोनों कंपनियां एक तरफ भारत को बड़े बाजार के तौर पर देख रही हैं, साथ ही भारत को अपनी ग्लोबल ईवी तैयारियों के लांचिंग पैड के तौर पर भी देख रही हैं। अभी तक बीएमडब्ल्यू विदेश में विकसित अपनी कारों की भारत में मार्केटिंग करती थी। लेकिन इलेक्ट्रिक दोपिहया वाहन बाजार में स्थिति बदली हुई होगी। जियो-बीपी और महिंद्रा के बीच हुए गठबंधन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है जो ईवी को विकसित करने के साथ चार्जिंग स्टेशन, बैट्री निर्माण में काम करेगी। जियो की साझेदार ब्रिटिश पेट्रोलियम ने पहली बार किसी दूसरे देश के ईवी बाजार में इस तरह की रुचि दिखाई है जो इसके बदलती रणनीति का परिचायक है।